खबर संक्षेप

होली एंटी मिलावट अभियान अंतर्गत विभिन्न खाद्य पदार्थों के लिए गए सेम्पल

मण्डला। होली त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए शासन के निर्देशानुसार होली एंटी मिलावट अभियान 2025 के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा प्रशासन मंडला के द्वारा विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया जा रहा है। त्यौहार में दूध एवं दूध से बने उत्पाद जैसे खोवा, पनीर, घी एवं खाद्य तेल, नमकीन, अनाज तथा अनाज से बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है, जिससे मिलावट की आशंका अधिक होती है। इसे दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा नगरीय निकायों सहित ग्रामीण क्षेत्रों पर भी विशेष रूप से निगरानी रखी जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा मंडला स्थित गायत्री डेयरी से मावा एवं घी, संध्या होटल महाराजपुर से खोवा, कृष्ण स्वीट्स से खोवे के पेड़े, नैनपुर स्थित अग्रवाल स्वीट से मगज लड्डू व कलाकंद, अरिहंत स्वीट्स से मगज लड्डू व रसगुल्ला, घुटास स्थित श्री साई एवं जनरल स्टोर से खाद्य तेल, एम के स्वीट्स एंड बेकरी चाबी से मलाई पेड़ा, पिंडरई स्थित श्री जी रेस्टॉरेंट से खोवा पेड़ा, सुल्तान किराना से खाद्य तेल, निवास स्थित निहाल जनरल स्टोर से नमकीन का नमूना जांच हेतु लिया गया है। खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थ ढंक कर रखने, साफ सफाई रखने, पैक्ड पदार्थ की एक्सपायरी डेट चैक कर विक्रय करने एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थों को विक्रय करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन के द्वारा आम जनता से भी अपील है कि वह खाद्य सामग्रियों को देखकर एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें, साथ ही पैक्ड खाद्य सामग्रियों की अवसान दिनांक देखकर ही क्रय करें। अवैधानिक गतिविधियां पाई जाने पर प्रशासन को सूचित करें।

कौन से वृक्ष कितनी संख्या में काटे गये कोई जानकारी देने वाला नहीं

छायादार बड़े वृक्षों का कत्लेआम

* अनुमति के नाम पर किया जा रहा खेल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले का इतिहास रहा है कि निर्माण कार्य के नाम पर यहां पर्यावरण की होली खेली जाती रही है। कुछ समय पूर्व जब जबलपुर-रायपुर राजमार्ग का निर्माण किया गया तो इस निर्माण कार्य के दौरान हजारों की संख्या में बड़े-बड़े वृक्षों की बलि चढ़ा दी गई वृक्ष कितनी संख्या में काटे गये किस-किस प्रजाति के काटे गये वृक्षों को काटने से जो लकड़ी प्राप्त हुई उसका कहां उपयोग किया गया और यह सब किस अधिकारी या किस विभाग की देखरेख में हुआ आज तक सार्वजनिक नहीं हो सका है।

अब पुनः यही प्रणाली दोहराई जा रही है इन दिनों मण्डला से अमरकंटक फोरलेन सड़क निर्माण का काम प्रगति पर है सड़क निर्माण के नाम पर जिस तरह से पहाड़ों को खोदा जा रहा है और वर्षो पुराने वृक्षों का कत्लेआम किया जा रहा है इसकी जानकारी देने वाला भी कोई नहीं।

सड़क निर्माण कंपनी के द्वारा काटे जा रहे पेड़

मण्डला-डिण्डौरी के बीच सड़क निर्माण की आड़ में जो वृक्ष काटे जा रहे हैं वे सड़क निर्माण कंपनी के कर्मचारियों द्वारा ही काटे जा रहे हैं और इस दौरान शासन-प्रशासन का कोई भी अधिकारी-कर्मचारी वहां मौजद नहीं होता। पेड़ों से काटी गई लकड़ी गई जो सड़क निर्माण कंपनी के काम की होती है वे उसे अपने उपयोग में ले लेते हैं कुछ आसपस के ग्रामीणजन उठाकर ले जाते हैं और थोड़ी लकड़ी दिखावे के लिये संभालकर रखी जाती है।

पेड़ों की संख्या को लेकर असमंजस

फोरलेन सड़क कहां से कहां तक जायेगी किस स्थान पर इसे सीधी रखना है कहां मोड़ होंगे और कहां पर कितनी ऊंचाई रखी जायेगी यह सब पहले से तय हो रखा है। इसके साथ ही सड़क निर्माण के दौरान कितने खेत, कितने मकान आड़े आयेंगे इन्हें भी चिन्हित कर दिया गया है साथ ही वृक्षों को भी चिन्हित करने बात तो कही जा रही है लेकिन को बताने वाला नहीं कि इस पूरे सड़क निर्माण में कितने पेड़ काटे जायेंगे वे पेड़ कौन-कौन सी प्रजाति के हैं क्या वे छायादार वृक्ष हैं, क्या वे फलदार वृक्ष हैं और क्या वे औषधि वृक्ष है। निश्चित रूप से जब इन वृक्षों को चिन्हित किया गया होगा तो इनकी सूची भी बनाई होगी लेकिन इस सूची को छुपाकर रखने का क्या औचित्य।

सड़क निर्माण कंपनी के अधिकारियों से पूछा जाये तो वे वन विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेने की बात कहते हैं उनका कहना होता है कि हमनें वन विभाग से बाकायदा जो वृक्ष सड़क निर्माण कार्य में बाधा बन रहे हैं उनके काटने की अनुमति ली है और वन विभाग की ही देखरेख में ये वृक्ष काटे जा रहे हैं और लकड़ी भी वन विभाग के संरक्षण में दी जा रही है।

जबकि हकीकत यह है कि जहां-जहां वृक्ष काटे गये वहां वन विभाग का कोई भी अधिकारी, कर्मचारी मौजूद नहीं होता जहां जिसकों जैसा लगता है वृक्षों का कत्लेआम कर दिया जाता है और लकड़ी भी बंदरबांट कर दी जाती है।

वन विभाग के अधिकारी नहीं देते जानकारी

मण्डला क्षेत्र में काटे गये पेड़ों को लेकर जब हमने मण्डला रेंज के रेंज ऑफिसर से बात की तो उनका सीधे-सीधे कहना था कि जो वृक्ष काटे जा रहे हैं वे अनुमति लेकर ही काटे जा रहे हैं और उन्हें वन विभाग के डिपो में निर्माण कंपनी द्वारा जमा कराया जायेगा जब उनसे यह पूछा गया कि कितनी मात्रा में वृक्षों को काटा जाना है और कौन-कौन सी प्रजाति के वृक्ष काटे जा रहे हैं उसकी कोई सूची तो होगी जिसे सार्वजनिक किया जाना चाहिये इस पर उन्होंने कहा कि यह जानकारी आपको रेंज ऑफिस से लेनी होगी रेंज ऑफिस वाले इससे अपना पल्ला झाड़ते नजर आये और जब पश्चिम क्षेत्र के डीएफओ को इसके लिये फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा।

पेड़ों की इस तरह की बेदर्द कटाई को लेकर जब हमने अनुविभागीय अधिकारी मण्डला से बात की और इस पूरे मामले में उनके पास कोई जानकारी हो तो सार्वजनिक करें ऐसा निवेदन किया गया तो उन्होंने कहा कि हम संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर ही जानकारी दे सकते हैं।

नगर के पर्यावरण प्रेमियों एवं समाजसेवियों का मानना है कि जिन वृक्षों को काटा जा रहा है उन्हें स्थानांतरित भी किया जा सकता है क्या इसके लिये कोई योजना प्रशासन या वन विभाग के पास है। दूसरी बात यह कि जब वृक्ष काटे जा रहे हों तो वहां पर पंचायत प्रतिनिधि वन विभाग के कर्मचारी एवं निर्माण कंपनी के लोगों का होना आवश्यक होना चाहिये।

किड्ज़ी प्रीस्कूल में हर्षोल्लास के साथ होली महोत्सव संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

किड्ज़ी प्रीस्कूल सिविल लाइन्स में होली का रंगारंग उत्सव बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। सीनियर केजी के छात्रों ने एक सुंदर नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें होली के त्यौहार के पीछे की पौराणिक कथा को दर्शाया गया। इसके अलावा, विभिन्न कक्षाओं के नन्हे विद्यार्थियों ने देश के विभिन्न राज्यों में मनाई जाने वाली होली की झलक नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाई। बच्चों को होली से संबंधित विभिन्न कला एवं शिल्प गतिविधियों की जानकारी भी दी गई, जिससे उनकी रचनात्मकता को और अधिक बढ़ावा मिला। प्लेग्रुप से लेकर सीनियर केजी तक के सभी छात्र पारंपरिक परिधानों में सजे, जिससे सांस्कृतिक पर्व की भावना को और बल मिला। विशेष रूप से डांस टीचर भव्यदीप कछवाहा ने एक सराहनीय पहल करते हुए नन्हे विद्यार्थियों के साथ मिलकर जोश और उत्साह से भरे नृत्य प्रस्तुत किए, जिससे पूरे माहौल में उमंग और आनंद की लहर दौड़ गई।पूरे आयोजन की रूपरेखा किड्ज़ी के शिक्षकों एवं शिक्षण संकाय के मार्गदर्शन में बखूबी तैयार की गई और उसे सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में स्कूल प्राचार्या शालिनी शुक्ला, शैक्षणिक समन्वयक राशि पमनानी ने अहम भूमिका निभाई और अपनी उत्तम दिशा-निर्देशों से इस कार्यक्रम को श्रेष्ठ बनाया।

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक 18 को

मण्डला। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार मंगलवार 18 मार्च को अपरान्ह 4 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर के गोलमेज सभाकक्ष में जिले के मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक आयोजित की गई है। बैठक में राजनैतिक दल नामावली/निर्वाचन से संबंधित अपने सुझाव, कठिनाई अथवा अनिराकृत विषयों को विचारार्थ रख सकते हैं।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय के रसोई घर का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला चिकित्सालय मण्डला में रसोई घर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों को दिए जाने वाले भोजन के संबंध में जानकारी ली। साथ ही मरीजों को वितरित किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों को बेहतर भोजन दिए जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि भोजन पकाते एवं वितरण करते समय साफ-सफाई, रसोई घर में उपयोग होने वाले कपड़ों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। कलेक्टर श्री मिश्रा ने अनाज भण्डारण कक्ष का अवलोकन करते हुए कहा कि भण्डार गृह में उच्च गुणवत्तायुक्त सामग्री उपयोग करें। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित थे।

कलेक्टर ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

बुधवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक समय पर चिकित्सालय पहुंचकर सेवाएं प्रदान करना सुनिश्चित करें। सिविल सर्जन समय-समय पर जिला चिकित्सालय का भ्रमण करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं। कलेक्टर ने ओपीडी कक्ष का निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। जिला अस्पताल में दवाइयों की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान सिविल सर्जन विजय धुर्वे सहित संबंधित उपस्थित थे।

निराशा और हताशा से भरा बजट है-नारायण सिंह पट्टा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

म.प्र. सरकार का यह बजट निराशा और हताशा से भरा बजट है। किसानों को धान का 3100 रूपए और गेंहू का 2700 रूपए के समर्थन मूल्य देने का प्रावधान बजट में नहीं है वहीं लाडली बहनो को 3000 रूपये की मासिक आर्थिक सहायता देने की बात भी नहीं है। युवाओं के लिए नौकरियां नहीं हैं और न ही सड़क बिजली पानी स्वास्थ्य शिक्षा रोजगार के क्षेत्र में सरकार द्वारा की गई घोषणाओं का कोई काम है। आदिवासियों के लिए 3 लाख करोड़ की राशि खर्च करने की इनकी घोषणा थी जो आज दूसरा बजट आने के बाद भी कहीं दिखाई नहीं देती। सभी आदिवासी ब्लॉक में आईटीआई, कला भवन, मनरेगा से 150 दिन का रोजगार, एकलव्य विद्यालय, 100 रूपए में 100 यूनिट बिजली, माइनर फारेस्ट प्रोडूस प्रोसेसिंग यूनिट, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रानी दुर्गावती प्रशिक्षण अकादमी शुरू करने की बात कही गई थी जो आज इस दूसरे बजट के आने के बाद भी कहीं नहीं हैं। हालात तो ये हैं कि सरकार ने पिछले बजट में मंडला जिले की जिन सड़कों की स्वीकृति दी थी उनकी राशि आजतक जारी नहीं की है और इस बजट में कुल 7 कार्यों की स्वीकृति मंडला जिले को मिली है।

इस बजट को लेकर आम जनता काफी उम्मीदें लगाए हुए थी लेकिन सरकार की मंशा जनता को राहत देने की दिखाई नहीं दी। प्रदेश में महंगाई बेरोजगारी अपराध अत्याचार शोषण भ्रष्टाचार बेहद ज्यादा बढ़ गया है। इनके लिए बजट में कोई खास प्रावधान देखने को नहीं मिले। रोजगार देने का जो आंकड़ा 2021-22 में था उससे कम आंकड़ा वर्तमान में हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए कोई राहत इस बजट में नहीं है। कुल मिलाकर यह बजट खोखला और निराशाजनक है।

प्रतियोगिता	21 से 23 मार्च 2025 तक लगेगा पहलवानों का महाकुंभ।

राज्य स्तरीय कुश्ती स्पर्धा का आयोजन

* सूर्यकुण्ड धाम में होगा आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मण्डला जिले के सूर्य कुण्ड धाम में 21 से 23 मार्च 2025 तक मध्यप्रदेश पुरुष एवं महिला केशरी एवं सीनियर/जूनियर राज्य स्तरीय कुश्ती स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता इंडियन स्टाइल कुश्ती संघ, म.प्र. के तत्वावधान में आयोजित होगी, जिसमें कुल ₹1,71,000 की नगद राशि, प्रमाण पत्र एवं मध्यप्रदेश केशरी खिताब प्रदान किए जाएंगे।

इस प्रतियोगिता में पुरुष केसरी खिताब के लिए 75 से 100 किग्रा वजन वर्ग के पहलवान भाग लेंगे। प्रत्येक जिला इकाई से अधिकतम दो पहलवान भाग ले सकते हैं। मिनी जूनियर वर्ग में 32 एवं 36 किग्रा (14 वर्ष से कम), जूनियर वर्ग में 40, 44 एवं 48 किग्रा (18 वर्ष से कम, केवल महाकौशल प्रांत के लिए) और सीनियर वर्ग में 55, 60, 65, 70 एवं 75 किग्रा के पहलवान भाग लेंगे। महिला वर्ग में 40, 45, 50, 55 एवं 60 किग्रा के लिए स्पर्धा होगी।

मिनी जूनियर एवं जूनियर वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी जन्मतिथि प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र एवं पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। सभी जिला इकाइयों के अध्यक्ष एवं सचिव से अनुरोध किया गया है कि वे अपने जिले की टीम का चयन कर स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन कराएं एवं इसकी सूचना प्रदेश कार्यालय को दें।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमें 21 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजे तक पहुंचना अनिवार्य होगा। उसी दिन दोपहर 1 बजे पहलवानों का वजन किया जाएगा और शाम 5 बजे से कुश्ती स्पर्धा का उद्घाटन होगा। 23 मार्च 2025 को सुबह 6 बजे पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह आयोजित किया जाएगा।

बाहर से आने वाले खिलाड़ियों को आयोजन समिति द्वारा सामान्य श्रेणी का रेल किराया, आवास एवं भोजन की सुविधा प्रदान की जाएगी।

इनामी राशि इस प्रकार रहेगी। मिनी जूनियर एवं जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी को ₹4000, द्वितीय को ₹2000 और तृतीय को ₹1000 प्रदान किए जाएंगे। सीनियर वर्ग के 55, 60 एवं 65 किग्रा भार वर्ग में प्रथम पुरस्कार ₹6000, द्वितीय ₹3000 और तृतीय ₹1500 रहेगा, जबकि 70 एवं 75 किग्रा भार वर्ग में प्रथम पुरस्कार ₹8000, द्वितीय ₹4000 और तृतीय ₹2000 दिया जाएगा।

महिला वर्ग में 40, 45, 50 एवं 55 किग्रा भार वर्ग के विजेताओं को क्रमशः प्रथम स्थान के लिए ₹4000, द्वितीय के लिए ₹2000 और तृतीय के लिए ₹1000 की राशि मिलेगी, जबकि 60 किग्रा भार वर्ग में प्रथम स्थान के लिए ₹6000, द्वितीय के लिए ₹3000 और तृतीय के लिए ₹1500 की राशि प्रदान की जाएगी।

मध्यप्रदेश केशरी खिताब के विजेता को ₹21,000 की नगद राशि के साथ गदा, प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी दी जाएगी। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को ₹10,000, तृतीय को ₹5000 और चतुर्थ को ₹2500 की नगद राशि दी जाएगी।

मध्यप्रदेश के लगभग 20 से 25 जिलों की टीमें इस स्पर्धा में भाग लेंगी, जिनमें इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, नीमच, सीहोर, खंडवा, हरदा, सागर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी, कटनी, जबलपुर, डिंडोरी, ग्वालियर, भोपाल, धार एवं मेजबान मण्डला की टीमें शामिल हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत बम्हनी जनपद पंचायत नारायणगंज मण्डला

-:निविदा सूचनाः-

ग्राम पंचायत बम्हनी में समस्त पक्के निर्माण कार्य हेतु सामग्री लोहा, गिट्टी, सीमेंट, ईट, रेत आदि की आवश्यकता है वर्ष 2025- 26 के लिये जी.एस.टी. बिल वाले निर्माण सामग्री सप्लायरों से बंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पटल पर पढ़ी व देखी जा सकती है।

सचिव
ग्राम पंचायत बम्हनी
जन.पंचा. नारायणगंज, मण्डला

सरपंच
ग्राम पंचायत बम्हनी
जन.पंचा. नारायणगंज, मण्डला

कार्यालय नगर परिषद् निवास जिला मण्डला (म.प्र.)

क्र./न.परि./2025/836 — // निविदा द्वितीय आमंत्रण - सूचना // — निवास दिनांक 11/03/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् निवास द्वारा वित्तीय वर्ष -2025-26 (1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक) के लिये दैनिक, साप्ताहिक मढई गुदरी नीलामी तथा कांजी हाउस की नीलामी किया जाना है साथ -साथ ग्रीष्म कालीन मौसम में वार्डो में टेंकर-टैक्टर से पानी की आपूर्ति किया जाना है। अतः इच्छुक व्यक्ति/वाहन मालिक दिनांक 17/03/ 2025 तक कार्यालयीन समय में अमानत राशि जमा कर खुली नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते है।

क्र.	नीलामी मद	नीलामी की तिथि	समय	शासकीय बोली	अमानत राशि
1	दैनिक, साप्ताहिक, बाजार एवं मडई गुदरी नीलामी।	18/03/2025 दिन मंगलवार	दोपहर 12:00 बजे से नगर परिषद् सभाकक्ष में।	1314000/-	50000/-
2	कांजी हाउस नीलामी ।	18/03/2025 दिन मंगलवार	दोपहर 12:00 बजे से नगर परिषद् सभाकक्ष में।	50000/-	5000/-

(श्रीमति हेमलता परस्ते)
अध्यक्ष
नगर परिषद् निवास

(श्री बसंत चौधरी)
उपाध्यक्ष
नगर परिषद् निवास

(श्रीमति राजकुमारी सिंगरौरे)
सभापति राजस्व
नगर परिषद् निवास

(श्री शिवा सिंह लोधी)
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद निवास
जिला मण्डला (म.प्र.)

खबर संक्षेप

ग्रामीण सड़कों से निकल रहे भारी भरकम वाहनों के चलते टूट रही सड़क, आम लोगों की जान के लिए बना खतरा

सांईखेड़ा। जहां एक ओर सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए गांव गांव पक्की सड़कों का निर्माण तो किया जा रहा है, मगर वह सड़क निर्मित होने के चंद दिनों बात जिस प्रकार से टूट रही है उसका प्रमुख कारण एक है कि प्रभावशालियों के दौड़ रहे भारी भरकम डम्फरों की मार जहां यह सड़क सहन नही कर पा रही है, वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने से भी नही बच पा रहा है? क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों को शहरों से जोड़ने के लिए जिस प्रकार से गांव गांव प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क व मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत जिन सड़को का निर्माण किया जाता है इन सड़कों को उसी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए बनाया जाता है इन सड़कों से इस प्रकार के भारी वाहन तो निकलेगे ही नही सिर्फ किसानों के ट्रेक्टर ट्राली ही निकलेगे, मगर जिस प्रकार से इन ग्रामीण सड़को पर बड़े बड़े दस चाक वाले डम्फर दौड़ रहे है उसके चलते ग्रामीण सड़क चंद दिनों में ही टूटकर चकरा चूर होने से नही बच पा रही है। जबकि गौर किया जावे तो बीते हुये कुछ वर्ष पहले तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा भी इस प्रकार से ग्रामीण सड़को से भारी भरकम डम्फर के दौड़ने संबंध प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किये गये थें। तत्कालीन कलेक्टर द्वारा जारी किये गये आदेश में इस बात का उल्लेख किया गया था कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़को पर वोर्ड स्थापित किये जावे जिसमें इस बात को उल्लेख किया जावे कि यह सड़क कितनी क्षमता के वाहनों का भार सहन कर सकती है उससे अधिक क्षमता के वाहनों को पूर्णरूप से प्रतिबंधित कर दिया गया था। मगर वर्तमान समय में देखने मिल रहा है कि शायद जिला स्तर से लेकर स्थानीय स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों को इस बात से कोई लेना देना नही रह गया है और ग्रामीणों की सुविधाओं के लिये बनाई गई सड़को पर भारी भरकम स्थिति के दौड़ने वाले वाहनों को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है। इस स्थिति के चलते जहां ग्रामीण सड़के लगातार टूटते हुये दिखाई दे रहे है।

आखिरकार शासकीय संपत्ति को लेकर क्यों उदासीनता बरत रहा है प्रशासन....?

हरिभूमि न्यूज/ चीचली। जिस प्रकार से क्षेत्र में आये दिन लोगों के घरों में घटित हो रही चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के साथ साथ पूर्व में हुई अनेक चोरी के मामलो में लिप्त आरोपियों को पुलिस आज तक खोजने में असफल देखी जा रही है। वही अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां तहां फैली हुई शासकीय संपत्ति भी अब असुरक्षित दिखाई देने लगी है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जहां तहां निर्मित हो रही सड़कों के किनारो पर सुरक्षा के हिसाब से लगाई जाने वाली लोहे की सुरक्षा पट्टी लगातार गायब होते हुए देखी जा रही है? इस प्रकार से सड़कों पर लगी हुई इन पट्टियों के गायब होने की स्थिति पर गौर किया जावे तो उनके गायब होने के बाद जो सच्चाई दिखाई दे रही है उसे देखकर यह बात स्पष्ट होने से नही चूक रही है कि इन लोहे की पट्टियों को किसी द्वारा रातो रात काटते हुए पार किया गया रहा है। क्योंकि शहर के नजदीक सड़क सड़क किनारों से गायब हो रही इन पट्टियों के चलते जहां संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खडे होते हुए देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर पुलिस की कार्य प्रणाली भी चर्चा का विषय बनने से नही चूक रही है? क्योंकि प्रतिदिन पुलिस द्वारा रात्रि कालीन गस्त व्यवस्था लगाई जाती है जिसमें एक गस्त लोकल स्तर की होती है और एक गस्त संभागीय स्तर की होती है जिसमें गस्त अधिकारी संपूर्ण क्षेत्र में भ्रमण करते हुए क्षेत्र की निगरानी करता है, इसके बाद भी यह पट्टी चोरी होना निश्चित ही चिंता का विषय बना हुआ है? क्योंकि इन पट्टियों को जब कोई चोरी करेगा तो निश्चित ही वह किसी न किसी वाहन का उपयोग करता होगा इसके बाद भी पुलिस की नजर में न आना अनेक संदेहों का पैदा करते हुए जान पड़ रहा है।

प्रशासन द्वारा शांति पूर्वक होली खेलने का किया आग्रह करते हुये चप्पे चप्पे पर तैनात रहते हुये रखी जावेगी पैनी नजर..

आज होलिका दहन के बाद कल उत्साह से खेली जाएगी होली, हुरियारों की टोलियां मचायेगी धमाल, जमकर उड़ेगा प्रेम व एकता का प्रतीक रंग गुलाल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। परम्परागत होलिकोत्सव उमंग, उत्साह से मनाने का जोश कल बुधवार से ही शहर के युवाओं, बच्चो, बुजुर्गो, महिलाओं साफ तौर पर नजर आ रहा है। मगर इस वर्ष पूरे जोश के साथ मनाने की तैयारी में दिखाई दे रहे है। इसी के चलते घरों में होली पर बने विविध व्यंजनो की खुशबू शहर के माहौल में समा उसे खुशनुमा बना रही है तथा दूसरी ओर शहर के बाजार में रंग गुलाल, पिचकारियों, मुखौटो की सजी दुकानों पर देश के नेताओं व सिने अभिनेताओं के नाम वाली पिच कारियॉ जहां बच्चे खरीदकर ले जा रहे है। वही फलों, मिठाईयो की दुकानों पर भी भीड़ भाड़ का आलम दिखायी दे रहा है। होली के बाजार में भीषण महँगाई असर डाल रही है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा होली हर्षोल्लास से मनाने के लिए के शहरवासियों के उत्साह के सामने महँगाई बाजार से गायब सी नजर आने के कारण बाजार में भीड भाड़ से भरा रहा तथा होली पर आज भी नगर के बाजार में भीड भाड़ का आलम देखने मिलेगा। जिसके चलते आज नगर में जहां तहां निर्धारित शुभ मुहुर्त्त पर नगर के लगभग 42 स्थानों पर होलिका दहन किया जावेगा तथा लोक गीतो फागों के गायकों ने आवाहन किया कि शालीन गाडरवारा शहर के निवासी होली में बरसने वाले सतरंगी रंगो, गुलाल में सराबोर होने तैयार हो जायें। गौरतलब है कि हर साल की भांति होलिका दहन के दूसरे दिवस यानि कल शुक्रवार को शहर में होली का मद मस्त करने वाला त्यौहार लोग पूरी उमंग से मनायेंगें, हॅसी ठिठोली के बीच युवा, बच्चें एक दूसरे पर रंगे की बौछार करेगें, हुरियारो की टोलियां ढोल ढमाकों के साथ निकलेगी तथा अनेक स्थानों लोक जीवन को उत्साहित, जीवंत करने वाले सरस गीत, संगीत के कार्यक्रम आयोजित होंगें। वैसे देखा जावे तो इस वर्ष पूर्णिमा दो दिन होने के चलते लोगों में होलिका उत्सह मनाने को लेकर मतभेंद देखने मिल रही है जिसके चलते जहां कुछ लोग कल शुक्रवार को मनाने की तैयारी में है तो कुछ लोग शनिवार को ..? वही दूसरी ओर होली पर्व नपा द्वारा जलापूर्ति के बेहतर प्रबंधन किये जावेगे तथा नगर की शांति व्यवस्था कायम रखने पुलिस प्रशासन पूरी तरह चौकस रहेगा, जिसके चलते पुलिस प्रशासन ने भी अपनी ओर से पूरी तैयारी कर ली गई है। विदित हो कि शहर में अमन चैन, सद्भावना का घना वातावरण है जिससे भरोसा है कि शहर के निवासी उन्मुक्त ढंग से होली का त्यौहार मनायेंगें। इस संबंध में शहर के विद्ववान पंडितो ने बताया है कि इस वर्ष ईश्वर की की विशेष कृपा से होलिका दहन पर विशेष संयोग देखने मिल रहा है। वही कल शुक्रवार को होली त्यौहार मनाने की तैयारियों को लेकर नगर के लोगों द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है व क्षेत्र के नागरिकों व सामाजिक संगठनों के सहयोग से होली मिलन समारोह का आयोजन नगर में अनेक जगह आयोजित होने की संभावना बताई जा रही है। यह बात अलग है कि इस वर्ष पूर्णिमा दिन होने के चलते लोग दो भागों में विभाजित होते हुये नजर आ रहे है? वही दूसरी ओर होली तैयार को लेकर से जब नगर के लोगों से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि निश्चित ही होती त्यौहार इस प्रकार से होता है कि साल भर में एक बार एक दूसरे से गले मिलने का मौका आता है। इसलिये सभी को इस त्यौहार को एक दूसरे से गले मिलते हुये धूमधाम के साथ मनाना चाहिये, पुरानी बुराईयों को भुलाते हुये नये सिरे से एकता का परिचय देना चाहिये, जिस प्रकार से हमारे क्षेत्र में हर त्यौहार को बड़ी ही शांति व मिल जुलकर मनाना चाहिये। क्योंकि हमारे नगर में अखंड सौहार्द्र का वातावरण बना रहता है और वर्ष भर सभी त्यौहार लोग मिल जुलकर मनाये जाते है। इसी प्रकार से इस त्यौहार पर भी सभी को मिलकर मनाने की जरूरत है आ रहे है। होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक पर्व है, जिसे मस्ती भरे प्रेम के साथ मनाया जाना चाहिए, होली का संदेश यह है कि समाज में विषमता, रागद्वेष को समाप्त कर विकास की नई इबारत लिखने की सामूहिक कोशिश की जाए। होली जलाने के लिये देशी कंडो का उपयोग किया जावे तो वह सबसे अच्छा रहता है। क्योंकि लकड़ी उपयोग करने से हम जिस प्रकार से पेड़ काटते है वह निश्चित ही पर्यावरण को हानी पहुचना होता है। इसलिये सभी होली समिति यदि कंडा की होली जलाबे तो अच्छा होगा। वही लोगों का कहना है कि होली खेलने में पानी का दुरूपयोग न हो क्योंकि जल ही जीवन है और विशेष तौर लोग इस बात का भी ध्यान रखे कि होली खेलते समय रासायनिक रंगो का उपयोग से बचे क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि इस प्रकार के रंग का उपयोग करते है जो मानव शरीर के लिए हानि कारक होता है। वही प्रभारी उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा का कहना है कि फाल्गुनी मस्ती का महापर्व होलिकोत्सव सभी को भाईचारे के साथ मनाना चाहिए, समाज परिवार की तरह होता है। वैसे भी देखा जावे तो इस शहर में यह मेरी यह पहली होली है और मेने सुना है कि लोग यहां पर बड़े की शांति पूर्वक तरीके से सभी त्यौहारों को मिल जुलकर मनाते है और मैं आशा करता हूं कि इस वर्ष भी इसी प्रकार से मनाया जावे। मेरी ओर से सभी नगर वासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं के साथ में चाहता हूं कि इस त्यौहार पर किसी भी प्रकार की अनावश्यक विवादों की स्थिति होली पर नहीं आना चाहिए होली एक दूसरे के गले मिलते हुए सभी बुराईयों का मिटा देती है इसलिए होली पर मदिरा पान कर हुड़ दंग मचाने वाले युवाओं की कारगुजारियॉ बर्दाश्त नही की जायेगी तथा अनुशासन के माहौल में होली का पर्व मने इस बात पुलिस पूरा ध्यान रखा जा रहा है। वही नगर पुलिस निरीक्षक विक्रम रजक का कहना है कि शहर में शांति का जो वातावरण है वह पूर्णरूप से गर्व करने लायक है। शहर के युवायों में अनुशासन में रहने की जो रूझान है तथा बच्चों का जो शिष्टाचार है, उससे सहज में कहा जा सकता है कि नगर में होली का त्यौहार हर्षोल्लास से मनाया जाएगा और एहतियात के तौर पर आज गुरूवार को होलिका दहन कार्यक्रम पूर्ण शांति के साथ करते हुये कल रंगों का त्यौहार शांति पूर्वक संपन्न कराने के लिए नगर के चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहेगी और शांति व्यवस्था बनाये जाने हेतु हमारे द्वारा लगातार दो दिन तक पेट्रोलिंग चलेगी, हमे आशा है कि पुलिस को मित्र मानते हुए शहरवासी भी होली, रंग पंचमी पर भी कानून, व्यवस्था बहाल रखने हमारा सहयोग करेंगें जिससे होली त्यौहार पूर्ण शांति के साथ संपन्न होगा, जिससे हमारे साथ साथ नगर का नाम भी रोशन होने से बंचित नही रह पायेगा।

गांव की सड़कों पर फैल रहा नालियों के गंदे पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य, कैसे सफल हो पायेगा सरकार का स्वच्छता अभियान?

नांदनेर। जहां एक ओर शासन द्वारा लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाते हुए, गांव गांवो पक्के शौचालयों का निर्माण करा दिया है वही दूसरी ओर सारी दुनियाँ में कोहराम मचाने वाले कोरोना वायरस से जंग लडने के बाद अब नई नई बीमारियाँ जन्म लेते हुये देखी जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गांवों की सड़को पर जिस प्रकार से बह रहे गंदे पानी के कारण गांवों में गंदगी का आलम देखने मिल रहा है उसके चलते शासन द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता की मुहिम को पंचायत द्वारा ग्रहण लगाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। इस सच्चाई को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सिर्फ शौचालय बनवाने से क्या स्वच्छ भारत का सपना पूरा हो जायेगा? इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत आमगांव छोटा में देखने मिल रही है जहां पर गांव की मुख्य सड़कों पर जिस प्रकार से कीचड़ का साम्राज्य फैला हुआ है उसको देखते हुये जहां पंचायत की कार्य प्रणाली उजागर होने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर ग्रामवासियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के

लिये मजबूर होते हुये भी देखा जा रहा है। बताया जाता है कि इन दिनों गांव के मुख्य मार्ग में गंदगी, कीचड़ व्याप्त होने से लोगों को आवागमन में असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रकार से गांव के मुख्य सड़क पर बह रहा नालियों का गंदा पानी सहित कीचड़ का साम्राज्य होने कारण आमजन को निकलना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते ग्रामवासियों का कहना है कि गांव में कीचड़ व्याप्त होने की समस्या से पूर्व में ग्राम पंचायत को कई बार अवगत कराया गया किंतु पंचायत ने अभी तक इस समस्या को हल कराने में रूचि नही दिखायी, जिसका नतीजा है कि ग्रामवासियों को वर्तमान में कीचड़ युक्त रास्तों पर चलने मजबूर होना पड़ रहा है। वही दूसरी ओर इस प्रकार से मुख्य मार्ग पर गंदा पानी भरा रहने के कारण अनेक प्रकार के मच्छर भी जन्म ले रहे है, जिसके चलते बीमारियाँ फैलने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है। क्योंकि जहां एक ओर इस समय लोग कोरोना वायरस के बाद जिस तरह आये दिन नई नई बीमारियों की लोगों में दहशत में दिखाई पड़ रही है जिसके चलते सरकार द्वारा गांवों में अनेक प्रकार के प्रयास करते हुये लोगों को सुरक्षित रखने में जुटी हुई देखी जा रही है दूसरी ओर गांव की सड़को की इस सच्चाई निश्चित ही अनेक प्रकार के सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है।

कुछ साल पहले स्कूलों में शासन की राशि से बनाई गई टंकिया अनेक जगहों पर नहीं मना पाई अपना जन्म दिवस

सांईखेड़ा। सरकार द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को पीने के पानी को लेकर किसी भी प्रकार से परेशान न होना पड़े इस बात को ध्यान में रखते हुये एक नई योजना चलाते हुये लाखों रूपया खर्च किये जाते है। मगर देखा जाता है कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली यह योजनाये अधिकारियों से लेकर संबंधित ठेकेदारों के लिये मलाई साबित होते हुये देखी जाती है, जिसके चलते शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च होने के बाद भी वह निर्माण कार्य अपना एक जन्म दिन मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये वर्ष स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिये टंकियों का निर्माण कराया गया था। मगर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में देखा जावे तो एक वर्ष पहले बनाई गई वह टंकिया जहां गायब नजर आ रही है तो दूसरी ओर अनेक जगहों पर टंकियों में लगे हुये नल टूटे दिखाई दे रहे है। बताया जाता है कि शासन की योजना के स्कूलों में बच्चों को आसानी से पानी उपलब्ध कराये जाने की सोच के चलते एक वर्ष पहले पानी टंकियों का निर्माण कराते हुये उनमें अनेक नल लगाये गये थें। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये ठेकेदारों को जिम्मेदारी सौपी गई थी। मगर सही मायने में देखा जावे तो सरकार की इस योजना के चलते मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा और कुछ साबित होते हुये नजर नही आया है? क्योंकि ठेकेदार द्वारा इन टंकियों में नल लगाने का कार्य पूर्ण करते हुये वहां की फोटो अधिकारियों को भेजने के बाद जिस तरह इतिश्री की गई थी उसका परिणाम है कि निर्माण के चंद दिवस उपरांत ही वह नल टूटकर गिरते हुये

दिखाई देने से नही चूक पा रहे थें तो दूसरी ओर अब देखा जावे तो स्कूलों में निर्मित यह टंकिया व नल अपना पहला जन्म दिवस मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगे है? क्योंकि जब भी कोई सीमेन्ट से संबंधित निर्माण कार्य होता है तो कुछ दिनों तक उसकी पानी के माध्यम से तराई की जाती है तब कही वह निर्माण कार्य मजबूत होता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली संस्था द्वारा मात्र निर्माण कार्य की औपचारिकता पूर्ण करते हुये उन्हें भुला दिया गया था जिसका परिणाम क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में निर्माण के चंद दिवस बाद टूटते हुये नलों के रूप में आसानी से देखने मिलना शुरू हो गया था और एक साल का समय पूरा भी नही गुजर पाया है और नल से लेकर टंकिया गायब नजर आने लगी है? कुछ इसी प्रकार से जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों की माध्यमिक शाला भवन में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर इन टंकियों का लगभग एक वर्ष पहले निर्माण कार्य किया गया था मगर निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता तथा उनकी तराई को लेकर ठेकेदार द्वारा कोई कदम नही उठाये जाने के चलते शासन की राशि की होली खेलने के समान साबित होने से नही चूक पाया है। यह बात अलग है कि कुछ स्कूलों के शिक्षको द्वारा जरूरी अपनी जागरूकता सहित दायित्वो का निष्ठा के साथ पालन किया गया था जिसके चलते वहां की टंकिया आज सुरक्षित नजर आ रही है। मगर यह सच्चाई मात्र चंद स्कूलो में ही देखने मिल सकती है। इस तरह ठेकेदार की जिम्मेदारी का कार्य शिक्षकों को करते हुये शासन की राशि को बर्बाद होने से बचाया गया है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये लगभग एक साल पहले क्षेत्र की अनेक शिक्षण संस्थाओं में इस तरह टंकियों में नल लगाने का कार्य हुआ है। मगर यदि उन स्कूलों में पहुंचकर देखा जावे तो वह टूटे हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस तरह औपचारिकता पूर्ण कार्य के नाम पर सरकार के धन की होली खेलने का क्या औचित्व है..?

दिन के समय शहर मे भारी वाहनों की धमाचौकड़ी दे रही बड़े खतरे की ओर संकेत...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। महँगी कारों मे घूमने प्राशनिक अधिकारी लाख दावा करें कि शहर की यातायात व्यवस्था मे पूर्वापेक्षा सुधार हो रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि यहॉ की यातायात व्यवस्था अराजक है, जिसे पटरी पर लाने की पहले की गयी कवायद बेअसर साबित हुई है? शहर मे वाहनों की अधिकता के बावजूद जनसुरक्षा की जवाबदारी निभाने

वाला विभाग अनियंत्रित गति से दिनरात धमाचौकडी करने वाली उन भारी भरकम ट्रकों पर ध्यान नही दे रहा है जो सारेआम सड़कों पर मौत का सायरन बजाकर असुरक्षा का माहौल निर्मित कर शहरवासियों को चिन्ता मे डाल रहे है। शहर की मुख्य सडकों पर धडल्लें से दौड़ रहे भारी भरकम ट्रक चालकों की हिमाकत के सामने लगता है कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने का ढोल पीटने वाले बौने साबित हो रहे है, जिसका परिणाम है कि शहर मे आवागमन जोखिम भर होता जा रहा है? समूचें शहर मे ट्रकों का कोलाहल, तेज ध्वनियॉ गूँजने से शहरवासियों के सब्र का बांध टूट रहा है और भारी भरकम ट्रकों का नो एंट्री टाइम निश्चित होने के बाद भी उनका नगर में प्रवेश करना पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सबाल खडे कर रहा है? ज्ञात हो कि नगर में रही तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी सुश्री रंजना पाटने द्वारा नगरवासियों की मांग को ध्यान में रखते हुये सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 4 बजे से शाम 6 बजे तक नगर में भारी वाहनों के प्रवेश पर निषेध करते हुये स्थाई नो एन्ट्री लागू करने का आदेश पारित करते हुये उसे सुचारू कर दिया गया था जिसके चलते नगर के प्रवेश द्वारा पर नो एन्ट्री संबंधी वोर्ड भी लगे हुये है, वही लोगों का कहना है कि जब जब नगर में भारी वाहनों के प्रवेश को लेकर नो एन्ट्री लागू करते हुए नगर में प्रवेश करने वाले स्थलों पर वोर्ड स्थापित करते हुए समय निश्चित कर दिया गया है, मगर इसके बाद भी नगर धडल्ले से भारी वाहनों का प्रवेश होना पुलिस प्रशासन की उदासीनता का प्रमाण है?मगर प्रशासन द्वारा नगर में लागू की गई नो एन्ट्री की ओर ध्यान ही नही दिया जा रहा है जिसके चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा बना हुआ है।

गरीबों के लिए अभिशाप बनी दहेज प्रथा

गाडरवारा। सामाजिक संस्थाएं, शासन प्रशासन चाहे लाख दावा करें, लेकिन सच्चाई यह है कि समाज मे दहेज प्रथा की पूरी तरह से समाप्ति न होने से माध्यम वर्गिय परिवारों की बहुत सी युवतियॉ हर साल अविवाहित रह जाती है या फिर वरपक्ष के दहेज लोभियों की मांग पूरी न होने से उस पिता के अरमान भी अधूरें रह जातें है जिसने अपनी प्यारी बिटिया को खून पसीने की कमायी से परवरिश कर शिक्षित और सर्वगुण सम्पन्न बनाया होता है? वही लोगों द्वारा इस बर वक्ष की दहेज रूपी मांग को पूरा करने के लिए अनेक कन्याओं के पिता कर्ज में फंसकर दहेज लोभियों की मांग को तो पूरा कर देते है। मगर बाद की स्थिति इस प्रकार से होती है कि उसका लेकर वह कर्ज पटाते हुए गुजारते हुए देखे जाते है? गौरतलब है कि क्षेत्रीय स्तर पर भी कारगर ढंग से दहेज मॉगने पर बंदिया नही लग सकी, जहॉ अभीर माने जाने वाले साधन संपन्न लोग अपनी शानों शौकत का प्रदर्शन कर न्यौछावर, उपहार के नाम वरपक्ष को भारी भरकम दहेज राशि देकर एक तरह से लक्ष्मी को आपमानित कर रहे है, वही दूसरी तरफ दहेज की चाहत की धधकती ज्वाला के बीच वह गरीब मुसीबत में पड़ गया, जिसके लिए भीषण महँगाई के दौर आजीविका चलाना कठिन हो गया है,उसकी माली हालत को नजर अंदाज कर देखा जा रहा है कि वरपक्ष की तरफ सें उस पर धन या दहेज सामग्री देने का दबाब बनाया जा रहा है, नतीजतन अधिकांश गरीब कर्जदार हो रहे है और अपने ऑगनों में गूँजतें बैण्डबाजों की आवाज के बीच उनकी आत्मा पुकार रही होती है कि अब तो बदलतें दौर में अब तो दहेज प्रथा का सर्वनाश होना चाहिए।

किसानों को सिंचाई के लिये मिल रही महज चंद घंटे बिजली, इस स्थिति में कैसे उभर पायेगी अन्नदाता की जिन्दगी

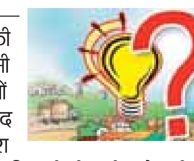

गाडरवारा। इस बात से इंकार जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपने बिलों की बसूली न की जावे वह तो बिजली बिलों की बसूली करने में कोई कसर न छोड़े मगर किसानों को बिजली भी तो उपलब्ध कराई जावे बगैर बिजली दिये हुये बिलों की बसूली क्या उचित है? क्योंकि इन दिनों बिजली विभाग द्वारा किसानों से बिलों की बसूली तो लगातार की जा रही है। मगर उन्हें मात्र चंद घंटे बिजली उपलब्ध कराये जाने से वह अपनी जिन्दगी कैसे संभाल पायेगे। क्योंकि गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों के किसानो को सिचाई के लिये महज चंद घंटे बिजली ही नसीब हो रही है। अब इससे अंदाजा लगाया जा सकता है की किसान केसे अपनी फसलो की सिचाई कर पाते होगे इन ग्रामो के किसानो का कहना है की उनके क्षेत्र की बिजली सफलाई जोड़ी गयी हे जो काफी लम्बी दुरी तय करती है जिसमें आये दिन खराबी होने के कारण बंद होने के बाद सुधार नही हो पाता है। वही बताया गया हे की रात में बमुश्किल दो घंटे ही सिचाई के लिये बिजली मिल पाती हे जिससे खेत की एक शिफ्ट भी पूरी तरह से सिचाई नही हो पाती है। यहां के अनेक किसानो ने अपनी जानकारी में बताया की दिन में भी इसी तरह के हालात बनते है कि दिन के समय अधिकतर बिजली की कटौती कही मेन्टेनेस के नाम पर तो कही लाइन खराब होने का बहाना बनाकर काटी जाती है। क्योकि इस समय देखा जावे तो किसानों के खेतो में जहां गन्ना फसल लगी हुई तो अनेक किसानों ने मूंग फसल की बोनी की तैयारियाँ भी शुरू कर दी गई है जिसे इस समय पड़ रही गर्मी के दौरान सिंचाई की जरूरत है मगर किसानों को मात्र चंद घंटे ही बिजली उपलब्ध होने से फसले खराब होते हुये नजर आने लगी है। इस तरह अनेक गांवों में बोल्टेज की समस्या के चलते किसानों के नलकूपों की मोटरे ही नही चल पा रही है अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि किसान अपने खेतों की सिंचाई कैसे कर पायेगे। जबकि देखा जावे तो बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिल बकाया है उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुये उनकी कुर्की करने में कोई कसर नही छोड रहा है तो दूसरी ओर यदि बिल जमा करने में एक दिन की देरी हो जाती है तो पेनाल्टी के साथ बसूली की जाती है मगर जब बिजली विभाग द्वारा निर्धारित मात्रा में बिजली उपलब्ध कराये जाने में बरती जा रही कताही के बाद भी बिजली विभाग पर कार्यवाही क्यों नही होती है।

जहां तहां शासकीय हैंड पंपों में मोटर डालकर निजी लोगों द्वारा कर लिया कब्जा

गाडरवारा

इस समय देखने मिल रहा है कि जहां अनेक गांवों में बिजली की अघोषित हो रहे कटौती के चलत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पीने के पानी को लेकर भटकरने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि गांवों में शासन द्वारा लगाये गये हेण्ड पंपों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि गर्मी आने के पहले ही उनका जल स्तर नीचे की ओर गिर जाने के कारण वह पानी की जगह हवा उगलते हुये देखे जा रहा है। वही दूसरी ओर जहां पर हेण्ड पंप सही सलामत है तो वहां पर गांव के ही प्रभावशालियों द्वारा इन शासकीय हेण्ड पंपों में अपनी निजी मोटर डालते हुये उन पर कब्जा करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। जिसके चलते इन प्रभावशालियों द्वारा शासकीय हेड पंपों में डाली गई मोटरों के चलते जहां वह अपने निजी कामों में उपयोग करते हुये अपने घर के वाडो में सब्जी पैदा करते हुये देखे जा रहे है..? मगर आम गरीब ग्रामीणजन दो दो बूंद पानी के लिये भटकने के लिये मजबूर होने से नही चूक पा रहे है। इस प्रकार की सच्चाई को लेकर आये दिन प्रशासन को अवगत कराये जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा इस प्रकार से शासकीय हेंड पंपों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ कार्यवाही नही किये जाने का परिणाम है कि उनके हौसले लगातार बुलंद होने से नही चूक पाते है जिसके चलते क्षेत्र के अनेक गांवों में आज भी जहां तहां शासकीय हेंड पंपों में निजी मोटर डली हुई आसानी से देखी जा सकती है। यदि इस सच्चाई कुछ ज्यादा ही उजागर होने लगती है तो संबंधित विभाग द्वारा इन प्रभावशालियों को संरक्षण देते हुये उनके द्वारा डाली गई इस प्रकार से नियम विरूद्व मोटरों पर गांव वालों की सहमति का प्रमाण पत्र का पंचनामा बनबाते हुये कार्यवाही को इतिश्री कर दिया जाता है? जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों के लिये पीने के पानी को लेकर भटकने के लिये मजबूर होना पड़ जाता है। जबकि नियम अनुसार तो कार्यवाही इस प्रकार से होना चाहिये की किसी भी शासकीय संपत्ति का इस प्रकार से उसके साथ छेड़खानी करने वालों पर सख्त कार्यवाही होना जरूरी होना चाहिये, मगर विभाग की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत का परिणाम जिसके चलते अनेक गांवों में प्रभावशालियों का आम लोगों को पानी उपलब्ध कराने के लिये शासन की राशि से लगाये गये हेड पंपों पर कब्जा देखने मिल रहा है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने ग्राम कुकर्रा में निर्माणाधीन पीएमजीएसवाय सड़क का औचक निरीक्षण किया

डिंडौरी । कलेक्टर ने ग्राम कुकर्रा में निर्माणाधीन पीएमजीएसवाय सडक का औचक निरीक्षण किया। ग्राम पंचायतों में किए जा रहे विकास कार्य एवं निर्माण कार्यों की प्रगति के संबंध में कलेक्टर मारव्या के द्वारा सतत औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कलेक्टर मारव्या ने ग्राम कुकर्रा में कुकर्रा मुख्य मार्ग से बैगान टोला तक निर्माणाधीन 2.4 किलोमीटर की पीएमजीएसवाय सडक का निरीक्षण किया। जिसमें बताया गया कि सडक निर्माण का प्रारंभिक कार्य जारी है। कलेक्टर मारव्या ने गुणवत्तायुक्त सडक निर्माण करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम स्थाई पटाखा दुकान और मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण किया

डिंडौरी । कलेक्टर के निर्देशानुसार आगामी त्यौहारों के मद्देनजर कानून व्यवस्था सुनिश्चित कराने के लिए एसडीएम डिंडौरी भारती मेरावी ने आज बुधवार को स्थाई पटाखा दुकान और मिष्ठान भंडारों का निरीक्षण किया। एसडीएम भारती मेरावी ने मुड़की स्थित स्थायी पटाखा दुकान एवं गोदाम का निरीक्षण करते हुए अग्निशमन यंत्र, पटाखा लायसेंस आदि की जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि लायसेंस की वैद्यता मार्च माह तक है। जिसके संबंध में एसडीएम मेरावी ने लायसेंस के नवीनीकरण कराने के लिए निर्देशित किया। एसडीएम भारती मेरावी के नेतृत्व में राजस्व विभाग और खाद्य विभाग के संयुक्त दल ने ग्राम देवरा स्थित 2 राजस्थानी मिठाई निर्माण कारखाना का निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य पदार्थों का सेंपल की जांच कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान तहसीलदार डिंडौरी आरपी मार्को सहित खाद्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जिले में ई-ऑफिस कार्य प्रणाली के सम्बन्ध में ली बैठक

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने फाइलों का संचालन ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक ली। उक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, एसडीएम डिंडोरी सुश्री भारती मेरावी, एसडीएम बजाग वैद्यनाथ वासनिक सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने ई-ऑफिस पोर्टल का उपयोग कर शासन की पेपरलेस अवधारणा के संबंध में निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ई ऑफिस प्रणाली के सम्बन्ध सभी विभाग आवश्यक कार्यवाही शीघ्र करना सुनिश्चित करते हुए, एक दिन में समस्त सम्बंधित जानकारी प्रेषित करें।

होली पर्व के मद्देनजर कलेक्टर ने शुष्क दिवस किया घोषित

अनूपपुर। मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 की उपधारा (1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था की दृष्टि से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने गुरूवार 13 मार्च की रात्रि 11:30 बजे से शुक्रवार 14 मार्च (धुरेड़ी जिस दिन होली खेला जाएगा) को सायं 5:00 बजे तक के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। इस दौरान जिले में संचालित समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानों, एफ.एल.-3 एवं देशी मद्यभाण्डागार से मदिरा का क्रय, विक्रय एवं परिवहन पूर्णतः बंद रखा जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर ने आबकारी विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं।

होली त्यौहार एवं रमजान पर्व को लेकर दिये दिशा निर्देश

पुलिस चौकी अमरपुर में हुई शांति समिति की बैठक

डिंडौरी ।

पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी समनापुर के आदेशानुसार पुलिस चौकी अमरपुर में होली, धुरेड़ी, रंग पंचमी एवं रमजान के त्यौहार को लेकर पुलिस चौकी अमरपुर में नायब तहसीलदार की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के प्रतिष्ठित नागरिक, जनप्रतिनिधि, व्यापारीगण एवं विभिन्न समुदाय के लोग उपस्थित हुए। जिनकी उपस्थिति में पुलिस चौकी प्रभारी अतुल हरदहा द्वारा होली त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाया जाने हेतु सुझाव प्राप्त किए गए। इसके साथ ही डी. जे, अवैध चंदा बसूली प्रतिबंध की जानकारी देते हुए शांति पूर्वक त्यौहार मनाने हेतु समझाइए दी गई। आयोजित शांति समिति बैठक में प्रमुख रूप से स्थानीय ग्राम पंचायत सरपंच रामनाथ उद्दे, महेंद्र ठाकुर, युसूफ खान, तीरथ मूलचंदानी, अनवर खान, आकाश नामदेव, शुंभाशु चंद्रौल, माखन साहू, राजेश कछवाहा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बिछिया चौकी में हुई शांति समिति की बैठक

शहपुरा - बुधवार 12 मार्च,होली त्यौहार एवं रमजान पर्व के मद्देनजर पुलिस चौकी बिछिया में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक में शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार, चौकी प्रभारी राजेश धर दुबे, मुकेश बैरागी, बिछिया निवासी वरिष्ट भाजपा नेता हीरा लाल साहू सहित ग्राम पंचायत के नागरिक मौजूद रहे।थाना प्रभारी अनुराग जामदार ने समिति की बैठक में होली का त्यौहार सभी मिलजुल कर मानने की अपील करते हुए त्यौहारों को शांति के साथ मनाने पर जोर दिया तथा इस बात का भी ध्यान रखने पर विशेष बल दिया कि होली और शुक्रवार की नमाज एक ही दिन होने से दोनों धर्म के मानने वालों को सभी चीजों पर बारीकी से ध्यान देकर त्यौहार मनाने की बात कही गई।तो वहीं दोनों ही धर्म को मानने वाले अपने अपने धर्म त्यौहारों को प्रेम सौहार्द के साथ मिलजुल कर मानने तथा होलिका दहन रात्रि 10 से 11 बजे के बीच करने रमजान के चलते रंग अनावश्यक किसी को नहीं लगाया जाएगा जिससे आपसी मनमुटाव उत्पन्न हो हुड़दंगियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगीबैठक में शहपुरा थाना प्रभारी अनुराग जामदार, चौकी प्रभारी राजेश धर दुबे, मुकेश बैरागी, बिछिया निवासी वरिष्ट भाजपा नेता हीरा लाल साहू सहित गांव के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

शाहपुर में शांति समिति की बैठक का किया गया आयोजन

होली त्यौहार एवं रमजान पर्व के मद्देनजर थाना परिसर शाहपुर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया बैठक को नायब तहसीलदार थाना प्रभारी कुंवर सिंह मरावी ने संचालित की बैठक में हिंदू मुसलमान दोनों ही वर्ग के प्रमुख लोग मौजूद रहे।समिति की बैठक में होली का त्यौहार सभी मिलजुल कर मानने की अपील करते हुए त्यौहारों को शांति के साथ मनाने पर जोर दिया तथा इस बात का भी ध्यान रखने पर विशेष बल दिया कि होली और शुक्रवार की नमाज एक ही दिन होने से दोनों धर्म के मानने वालों को सभी चीजों पर बारीकी से ध्यान देकर त्यौहार मनाने की बात कही गई।तो वहीं दोनों ही धर्म को मानने वाले अपने अपने धर्म त्यौहारों को प्रेम सौहार्द के साथ मिलजुल कर मानने तथा होलिका दहन रात्रि 10 से 11 बजे के बीच करने रमजान के चलते रंग अनावश्यक किसी को नहीं लगाया जाएगा जिससे आपसी मनमुटाव उत्पन्न हो हुड़दंगियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी बैठक में सरपंच राजू बनवासी,राजकुमार सिंह,मनोहर ठाकुर, माजिद खान, हरिश खान, मन्नू लाल साहू, रेवा पांडे,लक्ष्मी बर्मन,अनुराग गुप्ता, आमिर खान,साबिर खान,अमीन खान,दिलीप कश्यप,गौरव चौबे,गणेश चौबे,हारून खान,नौशाद खान सहित कस्बा शाहपुर के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

अबोध बालिका के साथ मारपीट के आरोपी पिता को 7 वर्ष का सश्रम कारावास

अनूपपुर। सत्र न्यायाधीश अनूपपुर पी.सी. गुप्ता के न्यायालय द्वारा अपने समक्ष विचाराधीन सत्र प्रकरण क्र 18/24 थाना चचाई के आरोपी सुभाष चंद महरा उम्र 20 वर्ष निवासी ग्राम देवरी, को कल दिनांक 11.03.2025 को अपनी 08 माह की पुत्री के साथ घोर उपहति कर कूरता करने के अपराध मे भादवि की धारा 325 में 07 वर्ष व किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 में 03 वर्ष और 25,000-25,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन/पीडित की ओर से पैरवी प्र0 जिला अभियोजन अधिकारी हेमन्त अग्रवाल द्वारा की गई।

अभियोजन अधिकारी द्वारा प्रकरण की जानकारी देते हुए बताया कि घटना दिनांक 21.05.2024 के दोपहर के समय की है, खाना बनाने के लिए लकडी लाने की बात को लेकर पति-पत्नि में विवाद हुआ था जिस पर आरोपी द्वारा अपनी पत्नि के साथ मारपीट की थी। पत्नि लकडी लेने चली गई थी और बच्ची को अपने पति के पास छोड गई थी जब पीडिता की मां 15-20 मिनट बाद पडोस से लकडी लेकर वापिस आई तो देखा कि उसकी 08 माह की बच्ची तडप-तडप कर रो रही थी उसके दोनों हाथों में चोट,

कोहनी के उपर सूजन दाहिने पैर के घुटने के पास व कमर में सूजनदार चोट थी बच्ची बहुत तेजी से रो रही थी। अबोध बच्ची की मां ने जब अपने पति से पूछा कि बच्ची क्यों रो रही हैं तो उसने कहा कि बच्ची पलंग से गिर गई थी तब बच्ची की मां ने आरोपी से कहा कि तुम झूठ बोल रहे हो गिरने से इतनी चोट नही आ सकती। इस पर आरोपी द्वारा कहा गया मेरे द्वारा उसके साथ मारपीट की है यदि तुम उल्टी सीधी रिपोर्ट करोगी तो तुम्हारा भी हाथ तोडकर मार डालूंगा। अबोध बालिका की मां बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल अनूपपुर लाई। चोट की गंभीरता को देखते हुए उसे मेडीकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया पीडिता को आई चोट को देखते हुए जिला अस्पताल अनूपपुर द्वारा अस्पताली तहरीर चौकी को प्रेषित की। जहां से जांच उपरांत थाना चचाई में अपराध पंजीबद्व हुआ प्रकरण में अन्वेषण के दौरान आवश्यक साक्ष्यो का संकलन किया गया जिसमें पीडिता को गंभीर चोटे/अस्थिभंग पाया गया। संपूर्ण विवेचना पश्चात अभिोग पत्र भादवि की धारा 307, 325, 294, 323, 506बी भादवि व 75 किशोर न्याय अधिनियम के तहत माननीय न्यायालय में पेश किया गया। जहां माननीय न्यायालय द्वारा विचारण पश्चात आरोपी को उक्त दण्ड से दण्डित किया। माननीय न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में संपूर्ण अर्थदण्ड की राशि को प्रतिकर के रूप में अबोध बालिका को प्रदान किए जाने बाबत आदेश दिया।

कलेक्टर ने राई में किया औचक निरीक्षण

डिंडौरी।

कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम राई का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य वितरण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों के कार्ड की जाँच कर उनसे राशन वितरण के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिसमें बताया गया कि राशन का वितरण समय पर किया जा रहा है। कलेक्टर ने हितग्राहियों को वितरित किये जा रहे अनाज की गुणवत्ता की जाँच की, उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता की नियमित जाँच करने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर नेहा मारव्या ने केंद्र के भंडार, माप तौल, बीज वितरण, खाद उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान उपस्थित हितग्राहियों से चर्चा कर शासकीय योजनाओं की प्रगति का हाल जाना, साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुना और अधिकारियों को समस्याओं का निपटान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडीएम सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष्मान आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र राई का किया निरीक्षण कलेक्टर ने ग्राम पंचायत राई के आयुष्मान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवाई उपलब्धता, दवाई वितरण, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड की स्थिति, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने दवाई वितरण का रजिस्टर, दवाई की एक्सपायरी डेट,उपलब्ध दवाइयों का जायजा लिया। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने केन्द्र में कार्यरत स्टॉफ की सूची दीवार पर पेंट करवाने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई और बेडशीट प्रबंधन नियमित रूप से करते रहें।

प्राथमिक शाला भवन का औचक निरीक्षण

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत राई के प्राथमिक शाला भवन का औचक निरीक्षण किया। प्राथमिक शाला भवन की इमारत में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि मरम्मत कार्य इस माह में पूर्ण हो जाएगा। कलेक्टर मारव्या ने गुणवत्तायुक्त कार्य को पूरा करने के लिए संबंधितों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा, डीपीसी रावेन्द्र मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे कलेक्टर ने पंचायत भवन राई का औचक निरीक्षण करते हुए पंचायत में चल रहे निर्माण कार्य, हितग्राहियों की स्थिति, संचालित शासकीय योजना सहित अन्य बिन्दुओं पर जानकारी ली। कलेक्टर मारव्या के निर्देशानुसार समस्त पंचायत कार्यालयों में शासकीय योजनाओं की जानकारी, हितग्राहियों की जानकारी, संचालित निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी सहित अन्य मूलभूत जानकारियों को पंचायत भवन के सूचना पटल और दीवारों पर चस्पा करवाने का कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत में संबंधित निर्देशन के पालन के लिए ग्राम पंचायत की जानकारी दीवारों पर पेंट करवाई जा रहीं हैं। कलेक्टर ने तत्संबंध में आवश्यक निर्देश देते हुए कार्य को पूरा करने के लिए कहा।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सीएम राइज विद्यालय भवन का निरीक्षण किया

कलेक्टर ने निर्माणाधीन सीएम राइज विद्यालय भवन राई का औचक निरीक्षण किया। निर्माणाधीन भवन का निर्माण मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग के द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर नेहा मारव्या ने पाया कि विद्यालय के लिए पहुंच मार्ग समस्या का निराकरण नहीं किया गया है एवं विद्यालय के एन्ट्री गेट के संबंध में स्पष्टता नहीं है। कलेक्टर मारव्या ने संबंधित विभाग जनजातीय कार्य विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माणाधीन भवन का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत कर पहुंच मार्ग, बच्चों की विद्यालय में प्रवेश आदि बिन्दुओं पर जानकारी दें। उन्होंने पहुंच मार्ग को व्यवस्थित किए जाने तक निर्माणाधीन भवन के निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाने के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील शुक्ला, एसडीएम शहपुरा ऐश्वर्य वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

शहपुरा

शासकीय स्नातक महाविद्यालय शहपुरा के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का महाविद्यालय के प्राचार्य अजय भूषण के मार्गदशन में सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन ग्राम पंचायत भिम्पार में किया गया महाविद्यालय के 50 छात्रों ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भगवत प्रसाद झारिया एवं स्वयं सेवको के द्वारा सात दिवसीय शिविर में सम्पन्न की गई 1 राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भगवत प्रसाद झारिया ने बताया कि सात दिवसीय शिविर में योग, महारैली, महास्वच्छता अभियान, ग्राम सर्वेक्षण, सांस्कृति विकास हेतु सांस्कृति गतिविधियां दिनचर्या की प्रमुख हिस्सा रही। स्वयंसेवियों द्वारा गांवों के लोगों को जागरूक करने हेतु विभिन्न रचनात्मक एवं सुधारात्मक गतिविधियाँ चलायी गयी। स्वयंसेवियों ने घर-घर जाकर नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्परिणाम से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बौद्धिक सत्र के अंतर्गत व्यक्तित्व विकास, युवा जागृति, बाल संस्कार शाला, नारी जागरण, बेटी बचाओं बेटी पढओं, बाल संरक्षण, मतदाता जागरूकता, एड्स जागरूकता, जल संरक्षण, व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्वच्छता जैसे विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों एवं अनुभवी व्यक्तियों ने स्वयंसेवियों का मार्गदर्शन किया। ग्राम के सरपंच सचिव एवं ग्रामवासीयों द्वारा इस कार्यक्रम में बढ़-चढ कर सहभागिता लिया एवं कार्य का सराहना किया गया कार्यक्रम समापन में वरिष्ठ प्रध्यापक एस.बी. उरैती, कविता धुर्वे, सी.पी.भानुवंशी, डॉ. किरण सिंह, डॉ. आसफा, डॉ. लीना, डॉ. स्मिता, डॉ. ओ.पी.पटेल, के.के. श्रोतिय, डॉ. राकेश, राजदीप, पारूल श्रीवास्तव, राजेश पाठक, पंकज झारिया,, अजय श्रीवास्तव, महेन्द्र सैयाम एवं राजेश कुमार, शारदा वाल्मिकी व तितरा सिंह मार्को कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

6 दिवसीय कोदो कुटकी प्रशिक्षण का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

ग्राम चाड़ा में कोदो कुटकी प्रसंस्करण इकाई प्रशिक्षण संपन्न मध्य प्रदेश दे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकासखंड बजाग अंतर्गत ग्राम चाड़ा में दिनांक 7 मार्च से 12 मार्च तक 6 दिवसीय कोदो कुटकी प्रशिक्षण का समापन हुआ जिसमें 35 बैगा जनजाति परिवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया प्रशिक्षण के समापन में जिला इकाई से जिला परियोजना प्रबंधक श्री जेएसपट्टा एवं जिला प्रबंधक सुश्री निशा रानी आर्सेटी संचालक एवं विकासखंड आजीविका मिशन की टीम ब्लॉक प्रबंधक नरेंद्र पांडे प्रशिक्षक सौरभ सिंह, ओम मिश्रा सीएलएफ नोडल शालिनी चौरसिया एवं टीम के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

चौकी सरई थाना करनपठार की अवैध मादक पदार्थ गांजा के विरुद्ध बडी कार्यवाही

राजेन्द्रग्राम। चौकी प्रभारी सरई मंगला प्रसाद दुबे को 11.03.2025 के सायं मुखबिर के द्वारा सूचना मिली कि ट्रक क्रमांक UP 70 FT 9038 जिसमें तार के बंडल लोहा लोड है, उसी ट्रक में मादक पदार्थ गांजा का परिवहन किया जा रहा है। उक्त सूचना पर चौकी प्रभारी सरई मंगला प्रसाद दुबे के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करने के पश्चात पुलिस अधीक्षक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पु) पुष्पराजगढ एवं थाना प्रभारी करनपठार के मार्ग दर्शन में अपने स्टाफ के साथ चौकी प्रभारी सरई मंगला दुबे थाना प्रभारी करनपठार को सूचना देते हुये अहिरगवां चौराहा मैन रोड में नाका बंदी किए जिसके कुछ देर बाद उपरोक्त ट्रक क्रमांक UP 70 FT 9038 आता दिखाई दिया जिसको रोका जाकर ट्रक के चालक एवं क्लीनर से नाम पता पूछा जाकर विधि अनुकूल कार्यवाही करते हुये उक्त ट्रक की तलाशी ली गई

पुलिस थाना मेंहदवानी में शांति समिति की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी

पुलिस थाना मेंहदवानी में मंगलवार को शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। हिन्दुओं के पर्व होली एवं मुस्लिम के रमजान माह के मद्देनजर शांति व्यवस्था कायम रखने आयोजित बैठक में भाजपा नेता दुर्गेश साहू, मंडल अध्यक्ष सुदामा बर्मन, आनंदराम साहू,गुलाब भवेदी, बुद्धदेव साहू सहित अन्य गणमान्य नागरिक, नायब तहसीलदार मेंहदवानी भीमसेन, थाना प्रभारी श्याम सुंदर उसराठे, पटवारी सुंदराम सिंग्राम, स्वास्थ्यकर्मी ज्ञानदास लारिया उपस्थित रहे। बैठक में होली पर्व पर जबरजस्ती चंदा न मांगने, जबरजस्ती रंग न लगाने तथा तेज आवाज में डीजे नहीं बजाने की समझाइश दी गई।

खबर संक्षेप

निराशावादी बजट, लोग अपने आप को कर रहे ठगा सा महसूस

तेंदूखेड़ा। विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक संजय शर्मा ने बजट को खोखला क़रार दिया है उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि यह बजट तेंदूखेड़ा जैसे क्षेत्रों की उपेक्षा करता है।यह एक निराशा जनक बजट है लोग अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं।भारत की अर्थव्यवस्था किसानी पर आश्रित है और कृषि को लेकर सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं।कृषि उपज मंडी में ही कृषि उपज देने के साथ अरहर चना के दाम जहां के तहां है कृषि पर लागत ज्यादा है मूल्य कम है शिवराज सिंह सरकार ने गेंहू पर बढ़े हुए समर्थन मूल्य के तहत तीन हजार तक खरीदने की बात कही थी लेकिन डा मोहन सिंह यादव सरकार मानने तैयार नहीं हैं।जिस धान को लेकर किसान बर्बाद हो गया वहां अब सरकार बोनस की बात कह रही है।केवल लाड़ली बहनों को पेंशन की बात कही गई है यह एक छलावा है।

आज होगा होलिका दहन

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। वैदिक मान्यतानुसार आज होलिका दहन किया जावेगा। बुराई पर अच्छाई की जीत तथा रंगों का महापर्व होली के त्यौहार का आज से शुभारंभ होगा। होली के त्यौहार को लेकर बच्चों मे काफी उत्साह देखा जा रहा है बच्चों द्वारा होलिका दहन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। हमारा देश विविधताओं भरा है वहां जितने राज्य उतने ही उसके अलग-अलग त्यौहार और उन्हें मनाने का सबका अपना-अपना अंदाज होता है। होली, धुरेड़ी या फाग जो भी कहें रंगोत्सव एक उसके रूप अनेक और हर जगह उसे मनाने का अपना ही ढंग होता जिसकी वजह से ऐसे आयोजन से समस्त देश में उत्सव का माहौल बन जाता है।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न

एनआरसी में सही समय पर बच्चों को भर्ती कराएं: कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बुधवार को महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं व कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने जिले में गर्भवती महिलाओं व धात्री महिलाओं के वास्तविक पंजीयन, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृवंदना योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना सहित अन्य योजनाओं व कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर ने समस्त परियोजनाओं के सेक्टर अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्रों में कुल जनसंख्या के आधार पर जन्म से 6 माह, 6 माह से 3 वर्ष व 6 वर्ष और गर्भवती महिलाओं व धात्री माताओं के वास्तविक पंजीयन से मिलाकर पोषण ट्रेकर एप पर दर्ज करने के निर्देश दिये, ताकि प्रत्येक सेक्टर परियोजना अधिकारी द्वारा इसकी समीक्षा की जा सके। वर्तमान में प्रगति बढ़ाने तथा ई- केवायसी के साथ- शत प्रतिशत किये जाने के लिए कार्यकर्ता व सेक्टर स्तर पर प्राथमिक रूप से निगरानी के निर्देश दिये।

हितग्राही संख्या में भिन्नता, दिये निर्देश

पोषण अभियान की समीक्षा में पाया गया कि जिले में दर्ज कुल हितग्राहियों की संख्या की प्रविष्टि वर्तमान वास्तविक हितग्राही दर्ज संख्या से कम है। राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर दर्ज संख्या में भिन्नता है। वर्तमान में सांझा चूल्हा के अंतर्गत दिये जा रहे गर्म पके भोजन की पोषण ट्रैकर एप्प पर प्रविष्टि वास्तविकता से भिन्न है। इस पर कलेक्टर ने सुधार कर गर्म व पका भोजन हितग्राहियों को प्रदाय किया जाना और उसकी वास्तविक एंट्री पोषण ट्रैकर एप्प पर करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने एनआरसी में शत प्रतिशत बेड आक्यूपेंशी एवं सेम/ मेम के अंतर्गत हितग्राही बच्चों को एनआरसी में सही समय पर भर्ती कराने के निर्देश दिये। जिन समूहों को खाद्यान्न उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, उनकी जानकारी जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी को साझा करें एवं इस समस्या का निराकरण करावें।

पात्र महिलाएं न रहे वंचित

कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत वार्षिक लक्ष्य के विरुद्ध उपलब्धि अत्यंत कम होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों के निर्देशित किया गया कि वित्तीय वर्ष 2024- 25 का निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि वे आंगनबाड़ी केन्द्रों के भ्रमण के दौरान यह सुनिश्चित करें कि योजना के प्रकरणों को पर्यवेक्षक स्तर से तत्काल सत्यापित एवं परियोजना स्तर से प्रकरण स्वीकृत और हितग्राही को योजना का लाभ दिलाने पेमेंट जनरेट किया जाये। इस योजना में कोई भी पात्र महिलाएं वंचित न रहे। उन्होंने आगामी समय सीमा की बैठक में उक्त रिर्पोट की स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिये।

लंबित शिकायतों का परीक्षण करने के निर्देश

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत आने वाली समस्त पात्र बालिकाओं को छात्रवृत्ति का लाभ दिया जाये। छात्रवृत्ति अनुमोदन में आ रही समस्याओं की 7 दिवस में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, ताकि समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित विभाग के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जा सके। उक्त योजना के अंतर्गत एक जनवरी 2006 से 31 दिसम्बर 2013 तक जन्मी समस्त बालिकाओं का समग्र सत्यापन, ई- केवायसी एवं डीबीटी कराया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत लंबित शिकायतों का परीक्षण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि 15 दिवस पश्चात पुनः समीक्षा बैठक आयोजित होगी। प्रत्येक बुधवार विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की जावे। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी, समस्त परियोजनाओं व सेक्टर की अलग- अलग प्रगति की रिपोर्ट स्वयं मॉनिटरिंग करने व आगामी बैठक तक प्रगति लाने के निर्देश दिये। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समन्वयक पोषण अभियान, समस्त पर्यवेक्षक एवं ब्लॉक समन्वयक मौजूद थे।

हर वर्ग के विकास और विश्वास का बजट

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने आज प्रस्तुत हुए बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आज विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 हेतु प्रदेश की जनता के लिए प्रस्तुत किया गया बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा 4,21,032 करोड़ का बजट हर वर्ग के विकास और विश्वास का है यह प्रदेश के विकास, समृद्धि और जनकल्याण के लिए ऐतिहासिक हैं। यह बजट प्रदेश सरकार की नीति दृ'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना के अनुरूप समाज के हर वर्ग गरीबों, अन्नदाता, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान को समर्पित है। यह सर्वस्पर्शी व सर्वसमावेशी बजट न केवल वर्तमान की समस्त आवश्यकताओं की परिपूर्ति करता है, बल्कि विकसित मध्यप्रदेश की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। यह बजट मोदी जी के विकसित भारत के साथ ही विकसित मध्य प्रदेश 2047 के संकल्प को प्राप्त करने की दिशा की ओर अग्रसर हो रहा है। भाजपा जिला अध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने प्रदेश की जनता के हितों को ध्यान में रखकर पेश किए गए ऐतिहासिक बजट हेतु यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के प्रति धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

होली 14 से 19 तक शुष्क दिवस घोषित

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। कलेक्टर ने जिले में होली 14 मार्च व रंग पंचमी 19 मार्च को शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश जारी किया है। होली एवं रंग पंचमी के दिन जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें तथा रेस्तरां बार (एफएल 2), देशी मद्य भांडागार सायंकाल 5 बजे तक बंद रहेंगे। इस अवधि में मदिरा का क्रय- विक्रय, परिवहन आदि पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। इस आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए आबकारी एवं पुलिस विभाग को निर्देश दिये हैं। यह जानकारी जिला आबकारी अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

नसबंदी शिविर का आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में माह मार्च 2025 में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि विकासखंड करेली के अंतर्गत 13 मार्च को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करेली में महिला एवं पुरुष नसबंदी- एनएसव्हीटी एनटीटी फिक्स डे स्टेटिक सेवा स्थल चिन्हांकित किया गया है।

महिला महाविद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शासकीय श्याम सुंदर नारायण मुशरान महिला महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण सप्ताह के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अध्यक्ष एवं महाविद्यालय प्राचार्य श्रीमती कृष्णा शर्मा ने छात्राओं को सफलता हेतु शुभकामना प्रदान की। क्रीड़ा अधिकारी एल.एन. रजक एवं डॉ धीरज झा द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का संचालन किया खेल प्रतियोगिताओं में 100, 200, 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान कु. विनीता कहार ने प्राप्त किया। 200, 400 मीटर दौड़ में कु. पूना जाटव ने द्वितीय स्थान एवं कु. नेहा ठाकुर के तृतीय स्थान प्राप्त किया। गोला फेक, तवा फेक एवं भाला फेक प्रतियोगिता में कु. रागिनी गौड प्रथम स्थान पर रही। चम्मच दौड़ में कु. विनीता कहार प्रथम, रागिनी गौड़ द्वितीय एवं ममता रजक तृतीय स्थान पर रही। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा पिट्टू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें टीम अ जिसका नेतृत्व कु. तनुश्री द्वारा किया गया प्रथम स्थान पर रहीं। एल.एन. रजक, डॉ धीरज झा, सुश्री अशुल खरे एवं श्रीमती बिन्दुवाला जैन निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में कु. चन्द्रप्रभा नेमा, जी. एस. गोल्हानी डॉ प्रतीक नेमा, कु. रुचि जैन, कु. मयुरी जैन, अभिषेक पटवा एवं पतिराम गौड़ ने अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया।

जल जीवन मिशन योजना कमीशन की भेंट चढ़ी

पूर्ण शिद्दत से नहीं हो रहे कोई कार्य

गोटेगांव। विकासखण्ड के अंतर्गत आनेवाले वाली ग्राम पंचायत कापखेड़ा के अंतर्गत आनेवाले वाले ग्राम नन्हे गांव में मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा भारी लापरवाही की जा रही है। लोग गंदा और मटमैला पानी पीने को मजबूर हैं। समूची गोटेगांव विधानसभा में कार्यरत जल जीवन मिशन के कार्यों में लगे डिफाल्टर ठेकेदारों को भी तत्कालीन कलेक्टर रिजु बाफना ने भी शो काज नोटिस दिए थे। कि जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण और शहरी जनता को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएं परंतु जिला प्रशासन इस ओर आंख बंद करके बैठा है।जिससे जिले के चारों ओर जल जीवन मिशन के अंतर्गत हो रहे कार्यों में गंदा पानी आ रहा है।शासन द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ नन्हेगांव वासियों को नहीं मिल पा रहा है और शासन कहता है कि पंचायती राज चल रहा है तभी तो ग्रामीण खल रहा है यहां पर जल जीवन मिशन अंतर्गत ग्रामीण नल-जल प्रदाय योजना लगाई है । लेकिन लगाने वाले ये भूल गये कि इसका क्रियान्वयन कैसे किया जाय । उक्त वाटर सप्लाई की लाईन स्कूल प्रांगण से निकालकर पूरे गांव फैलाई गयी ।जिसकी बानगी ये है कि घटिया पाईप सामग्री जो कि कमीशन बाजी की भेंट चढ़ गई थी उस लाईन को डालने से स्कूल मैदान में लाइन फट गई 1।लिहाजा जिस कारण से भारी भरकम गढ्ढा हो गया है। जिसकी लिखित शिकायत स्कूल प्रबंधन ने ग्राम पंचायत कापखेड़ा में एक माह पहले दी थी लेकिन आज तक कोई सुधार कार्य नहीं हुआ। पानी स्कूल मैदान में भर रहा है यह स्कूल का मैदान जलाशय में तब्दील होता नजर आने लगा है अब स्कूल मैदान में छोटे बच्चे खेलते हैं ।अगर कोई घटना होती है तो किसकी जिम्मेदारी होगी।शासन मूक और बधिर बना हुआ है अधिकारी तक इस ओर ध्यान नहीं द रहे हैं। नन्हे गांव के ग्रामीणों ने जल्द से जल्द वाटर सप्लाई में हो रहे लीकेज सुधार कर ठीक कर जनता और बच्चों के साथ जो रही समस्या को हल करने की मांग की है।शासन नारा तो देता है कि नल जल से वंचित नहीं रहेगा,अब कोई परिवार,जलजीवन मिशन पहुंचायेगा नल से जल सबसे द्वार, फिर परिणति करने में समय कैसा लगाया जाता है यह दलालों से पूछा जाए।शासन इस ओर ध्यान देकर समस्या सुलझाए।स्मरण हो कि अब गर्मी का सीजन सिर पर हैं ऐसे में पानी ही समस्या बन जाए तो फिर जीवन कैसे बचेगा शासन जल की समस्या से निपटने बेताब है परंतु शासन के कर्णधार क्या कर रहे हैं शासन उन्हें फिर किस बात की पगार देता है जब गांव गांव विकास का नारा पीटा जा रहा है तो फिर नन्हेगांव कापखेड़ा ग्राम इससे वंचित क्यों?

इनका कहना है

मेरे पास इस बाबत शिकायत आई थी यह कार्य पंचायत के हैंड ओवर है मैने सरपंच को नंबर दे दिया है कार्य करने वाले जा दो चार दिन में समस्या हल हो जाएगी।

रोहित सिंह
उप यंत्री
पी एच ई विभागनरसिंहपुर।

तकरीबन इस समस्या को चार माह बीत चुके हैं स्कूल में पाइप लाइन लीकेज का पानी भरा होने होने से यह जलाशय बन गया है जिससे स्कूल में अध्ययन करने वाले बच्चे गिरते पड़ते नजर आते हैं शासन को इस ओर कोई ठोस कदम उठाने चाहिए ।इस संबंध में स्कूल प्रबंधन ने शिकायती पत्र भी सौंपा है।

यशपाल सिंह लोधी
उप सरपंच नन्हेगांव कापखेड़ा
करकबेल (गोटेगांव)

पानी के उपयोग के दुष्प्रभाव को रोकने किसानों को सलाह

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। किसानों को वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र और कृषि विभाग ने जिले के किसानों को ग्रीष्मकालीन मौसम में सब्जी वर्गीय, गिलकी, तरबूज व लोबिया की फसल लगाने की सलाह दी है। तिलहन फसल की आवश्यकता को देखते हुए किसान गर्मी में तिल की फसल ले सकते हैं। साथ ही गर्मी में नई हरी खाद के रूप में व बीज उत्पादन के लिए एक विकल्प के रूप में अपना सकते हैं। किसान इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय बाजार की उपलब्धता उत्पाद की बिक्री, मृदा स्वास्थ्य व वातावरण का विशेष ध्यान रखकर फसलों का चुनाव किया जाये। किसान समय- समय पर कृषि वैज्ञानिकों से परामर्श ले सकते हैं। इसके अलावा किसान सारथी पोर्टल व वाट्सएप ग्रुप में अपनी समस्यायें भेज सकते हैं, जिसका निराकरण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जिले में विगत वर्ष ग्रीष्मकालीन मूंग की बुवाई लगभग 1.40 लाख हेक्टर में की गई थी, जो इस वर्ष बढ़कर 1.50 लाख हेक्टर होने की उम्मीद जताई गई है। यह देखा जा रहा है कि खेतों में किसानों द्वारा ग्रीष्मकालीन मूंग की खड़ी फसल में 5-6 बार कीटनाशक का छिड़काव करते हैं। अनुशंसित मात्रा से अत्याधिक मात्रा में कीटनाशक का बार- बार छिड़काव के साथ ही खड़ी फसल खेत में पकने के उपरांत हरी फसल को सुखाने के लिए प्रतिबंधित नींदानाशक पैराक्वाड का उपयोग करते हैं, जिसका दुष्परिणाम वातावरण के साथ ही उत्पादित मूंग का सेवन करने वाले लोगों पर विपरीत प्रभाव भी होता है। इससे विभिन्न प्रकार की खतरनाक बीमारियां बढ़ रही है, जिसमें कैंसर भी शामिल है। साथ ही ग्रीष्मकालीन मूंग में अत्याधिक सिंचाई करनी पड़ती है। इससे पानी की खपत ज्यादा होने से भूमिगत जलस्तर नीचे गिरता जा रहा है। आने वाले समय में जल की कमी से भी जिले में समस्या उत्पन्न हो है। पूर्व में किसानों द्वारा रबी फसल कटाई उपरान्त खेत खाली रखते थे, जिससे खेत में गर्मी के समय पड़ी दरारों से वर्षा का पानी इन दरारों के माध्यम से नीचे चला जाता था। इसके परिणाम स्वरुप भूमिगत जलस्तर बना रहता था। बार- बार फसल लेने से खेत की मिट्टी में मौजूद विभिन्न प्रकार के पौध पोषक तत्वों की मात्रा में कमी आ रही है। मिट्टी में नाइट्रोजन व पोटाश के साथ ही सल्फर व जिंक की कमी भी मृदा विश्लेषण उपरांत प्राप्त हुआ है। अतएव ग्रीष्मकालीन मूंग का क्षेत्रफल कम करना ही मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए उचित होगा।

विद्यालय का औचक निरीक्षण कर मध्यान्ह भोजन की देखी गुणवत्ता

तेंदूखेड़ा। एस डी एम शुभम यादव एवं तहसीलदार रोहित सिंह राजपूत ने वुधवार को ग्राम पंचायत छत्तरपुर शासकीय माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बच्चों के साथ भोजन कर उसकी गुणवक्ता को चखा। साथ ही भोजन कर रहे विद्यालय के बच्चों से मध्यान्ह भोजन का हाल जाना। बच्चों से रूबरू होकर शिक्षकों द्वारा पढ़ाई जाने वाले पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी ली। प्रतिदिन मिलने वाले मध्याह्न भोजन के तहत मिलने वाला खाद्यान्न सहित निशुल्क पाठ्य सामग्री सहित अन्य शासकीय मिलने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। तथा मध्यान्ह भोजन संचालित करने वाली रसोईयों को गुणवत्ता बरकरार रखने निर्देशित किया गया। इसके पूर्व ग्राम पंचायत का निरिक्षण करते हुए एस डी एम ने पंचायत सचिव और रोजगार सहायक को किसान फॉर्मर रजिस्ट्रेशन (आईडी) बनाने के लिए कहा। सर्वेयर के माध्यम से किसानों की आईडी जल्द तैयार करने के निर्देश दिए ताकि वे पीएम किसान सम्मान निधि की अगली किश्त से वंचित न रहें। इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव ग्राम कोटवार सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

होलिका दहन आज पूरे सप्ताह चलेगा रंगोत्सव

तेंदूखेड़ा। प्रेम और आपसी सद्भाव का महापर्व बसन्तोत्सव रंगों का त्योहार होलिका दहन से रंग पंचमी तक पूरे सप्ताह भर मनाया जायेगा। हमारी सनातन परम्परा के अनुसार हिन्दुओं की आस्था परस्पर सौहार्द एवं प्रेम का यह त्यौहार होलिका दहन से प्रारम्भ होता है। प्रतिवर्ष होलिका दहन फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात्रि को किया जाता है। होली की अग्नि में हम काम क्रोध लोभ मोह मद और ईर्ष्या आदि दुर्गुणों का दहन करके परस्पर प्रेम और सद्भाव के रंगों से इस पर्व को आनंद पूर्वक मनाते हैं। ज्योतिष रत्न ज्योतिष शिरोमणि आचार्य प्रमोद पचौरी ने बताया कि इस वर्ष पूर्णिमा तिथि शुक्रवार को दिन में ही समाप्त हो जायेगी अतः आज गुरुवार को चतुर्दशी के उपरांत पूर्णिमा तिथि में भद्रा की समाप्ति के बाद मध्य रात्रि में होलिका दहन किया जायेगा। इसी दिन व्रत की पूर्णिमा भी रहेगी। स्नान दान पूर्णिमा शुक्रवार 14 मार्च को रहेगी।धुरेडी फगुआ सवर्ण स्पर्श परस्पर रंग गुलाल के साथ बसन्त ऋतु के शुभागमन पर यह रंगोत्सव का त्योहार रंग पंचमी तक मनाया जाता है।इस वर्ष रंग पंचमी 19 मार्च बुधवार को मनाई जाएगी। त्वचा को नुकसानदेह केमिकल युक्त रंग गुलाल के प्रयोग से बचकर सामाजिक एकता आपसी प्रेम सद्भाव सहयोग के साथ इस त्योहार को मनाना चाहिए।

चन्द्र ग्रहण का भारत में कोई प्रभाव नहीं

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा शुक्रवार 14 मार्च 2025 को लगने वाला खग्रास चंद्रग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ग्रहण एक दृश्य पर्व होने के कारण भारत में इसका किसी भी प्रकार का सूतक बैद्ध नहीं माना जायेगा।

बजट पर प्रतिक्रिया

सपने बड़े हकीकत पर सवाल

तेंदूखेड़ा । मध्य प्रदेश विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पेश किया गया आम बजट अपने 4 लाख 21 हजार 32 करोड़ रुपये के आकार के साथ राज्य का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा प्रस्तुत इस बजट को सरकार ने विकासोन्मुखी करार दिया है जिसमें गरीब किसान युवा और महिलाओं पर विशेष फोकस का किया गया। हालांकि विपक्ष और स्थानीय जानकार इसे बड़े वादों का पुलिंदा बता रहे हैं। जिसमें जमीनी चुनौतियों को नजरअंदाज किया गया है।

बजट की झलक

इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है ।जो आम जनता के लिए राहत की बात है। सरकार ने 3500 किमी नई सड़कों 70 पुलों और अगले 5 साल में 1 लाख किमी सड़क निर्माण का लक्ष्य रखा है। किसानों के लिए प्राकृतिक खेती और पशुपालन को बढ़ावा युवाओं के लिए 22 नए आई टी आई और हर विधानसभा क्षेत्र में स्टेडियम और महिलाओं व गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं का वादा किया गया है। सिंचाई के लिए 19 बड़ी परियोजनाओं सहित 17863 करोड़ रुपये और जल जीवन मिशन के लिए 17135 करोड़ रुपये का प्रावधान भी शामिल है। मुख्यमंत्री मजरा टोला सड़क योजना 100 करोड़ रुपये और 39 औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की घोषणा भी चर्चा में है।

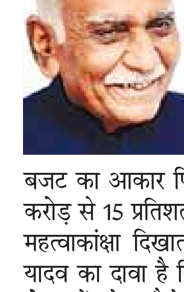

सकारात्मक पहलू

बजट का आकार पिछले साल के 3.65 लाख करोड़ से 15 प्रतिशत अधिक है जो सरकार की महत्वाकांक्षा दिखाता है। मुख्यमंत्री डा मोहन यादव का दावा है कि 5 साल में बजट दोगुना होगा। तेंदूखेड़ा जैसे क्षेत्रों में सड़क और सिंचाई परियोजनाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकती हैं। डिजिटल यूनिवर्सिटी और रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है।

कमियां और सवाल

विपक्षी कांग्रेस ने बजट को किसान विरोधी करार देते हुए कहा कि गेहूं के समर्थन मूल्य को 2700 रुपये करने का वादा अधूरा है। तेंदूखेड़ा के किसानों का कहना है कि प्राकृतिक खेती का प्रोत्साहन अच्छा है पर लागत और बाजार की अनिश्चितता का समाधान नहीं दिखता। बजट में महंगाई और बेरोजगारी जैसे ज्वलंत मुद्दों पर ठोस कदमों की 6कमी है। मजरा टोला योजना के लिए 100 करोड़ रुपये नाकाफी लगते हैं। जब दूरस्थ गांवों तक पहुंच का लक्ष्य है।

यह बजट कागज पर भव्य दिखता है पर तेंदूखेड़ा जैसे क्षेत्रों में इसकी सफलता सड़कों पानी और रोजगार की जमीनी हकीकत पर टिकी है। घोषणाएं बड़ी हैं मगर अतीत में परियोजनाओं की सुस्ती और भ्रष्टाचार के चलते लोगों में संशय है। क्या यह बजट वादों से आगे बढ़कर बदलाव लाएगा? इसका जवाब आने वाले दिनों में मिलेगा।

सर्व हितैषी सर्वस्पर्शी बजट

तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने इस बजट को सर्वहितैषी सर्वस्पर्शी बजट बताते हुए कहा है कि इस बजट में किसानों युवाओं आम आदमी और नारी सशक्तिकरण उनके उत्थान की व्यवस्था की गई है माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डा मोहन यादव की जन मन योजना के माध्यम से आदिवासी कल्याण पुराने ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण पार्टी की रीति नीति विजन सबका साथ सबका विकास पर खरा उतरने वाला सराहनीय बजट है।